RNI No.: UPHIN/25/A1698

NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01

अंक : 311

दि. 15.03.2026, रविवार

पाना : 04

किंमत : 00.50 पैसा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शाकंभरी सिद्धपीठ पहुंच लिया आदि शक्ति माता का आशीर्वाद

(जीएनएस)।

सहारनपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कि चैत्र नवरात्र पर लगने वाले शाकंभरी माता के मेले में महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त होने चाहिए। एंटी रोमियो स्क्वायड की ड्यूटी लगाई जाए। यहां पर जिन महिला पुलिसकर्मियों की ड्यूटी रहेगी उनके रहने का भी इंतजाम किया जाए। शाकंभरी परिक्षेत्र में 98 करोड़ की लागत से चल रहीं पर्यटन परियोजनाओं के निरीक्षण के बाद समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह बातें कहीं। मुख्यमंत्री ने सिद्धपीठ श्री शाकंभरी देवी के दर्शन कर माता का आशीर्वाद लिया।

निर्धारित समय से 1:15 देरी से पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को सहारनपुर में पौने दो घंटे रुके। वह हरियाणा के कैथल से यहां नागलमाफी में बनाए हेलीपैड पर उतरे। मुख्यमंत्री को यहां दोपहर 2:25 बजे पहुंचना था। वह 3:40 बजे यहां पहुंचे। सरसावा एयरपोर्ट से शाम 5:25 बजे राजकीय वायुयान से लखनऊ के लिए उड़ान भरी। उनके आगमन से प्रस्थान तक कड़ी सुरक्षा रही।

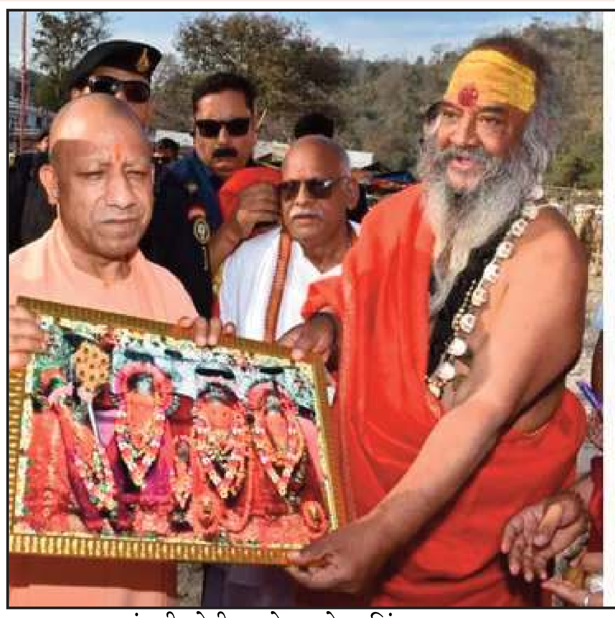

माता शाकंभरी देवी जाने वाले श्रद्धालुओं को पुलिस ने मार्ग में कई जगह रोके रखा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन के लिए भूरादेव मंदिर से दो किमी पहले गांव नागलमाफी के निकट लोक निर्माण विभाग ने हेलीपैड बनाया था। लगभग 3:40 बजे हेलीकाप्टर उतरा।

हेलीपैड पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगवानी औद्योगिक विकास एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री जसवंत सैनी, लोक निर्माण राज्यमंत्री बृजेश सिंह,भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत सिंह राणा, महानगर अध्यक्ष शीतल बिश्नोई, जिला पंचायत अध्यक्ष चौधरी मांगेराम, महापौर डा.अजय कुमार, विधायक राजीव गुंबर, मुकेश चौधरी, देवेन्द्र निम, किरत सिंह ने की।

यहां से मुख्यमंत्री का काफिला हेलीपैड से एक किमी दूर मां शाकंभरी देवी पर्यटन कारिडोर परियोजना में निमार्णाधीन ब्लाक पहुंचा। यहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बारीकी से निमार्णाधीन भवन के बारे में जानकारी ली। यहां से मुख्यमंत्री हेलीपैड के निकट निमार्णाधीन टूरिस्ट फैसिलीटेशन सेंटर पहुंचे।

उन्होंने सेंटर के अलावा मल्टीलेवल पार्किंग का स्थलीय निरीक्षण किया। जनप्रतिनिधियों-अधिकारियों की बैठक ली। सिद्धपीठ मां शाकंभरी देवी के दर्शन कर पूजा-अर्चना करने के बाद वापस हेलीपैड पहुंचे और यहां से सरसावा एयरपोर्ट पहुंचकर शाम 5:25 बजे राजकीय वायुयान से लखनऊ के लिए उड़ान भरी।

विपक्ष ने कई वर्षों तक शासन किया, लेकिन उसने केवल वोट बैंक की राजनीति की: योगी आदित्यनाथ

कैथल (हरियाणा), 14 मार्च उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्होंने कई वर्षों तक देश पर शासन किया, लेकिन वे केवल तुष्टीकरण और वोट बैंक की राजनीति में लिप्त रहे।

योगी ने हरियाणा के कैथल जिले में संतों की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, "आजादी के बाद विपक्ष ने कई वर्षों तक देश पर शासन किया। लेकिन उन्होंने आपकी आस्था के बारे में क्यों नहीं सोचा? क्योंकि उनके पास समय नहीं था और वे केवल तुष्टीकरण और वोट बैंक के चक्कर में लगे रहे। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का जिक्र करते हुए कहा कि यह तभी संभव हो पाया जब केंद्र और उत्तर प्रदेश दोनों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सत्ता में आई।

ब्रिगेड मैदान से टीएमसी पर बरसे पीएम, कटमनी और आवास योजना पर उठाए सवाल

(जीएनएस)।

कोलकाता के ब्रिगेड मैदान में पीएम मोदी ने रैली को संबोधित करते हुए टीएमसी सरकार पर कटमनी, आवास योजना और केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर हमला बोला।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ऑल इंडिया तृणमूल कांग्रेस सरकार पर जमकर हमला बोला और राज्य में कथित भ्रष्टाचार, कटमनी और केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर सवाल उठाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि पश्चिम बंगाल में सरकारी योजनाओं के लाभ के लिए लोगों से 'कटमनी' ली जाती है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना कटमनी के गांवों तक सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं पहुंचता, जिससे कई केंद्रीय योजनाओं का फायदा आम लोगों को नहीं मिल पा रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि राज्य में पहले भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, फिर कांग्रेस की सरकारें रहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन सरकारों ने राज्य के विकास के बजाय अपने राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दी और जनता के लिए अपेक्षित काम नहीं किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि

अब समय आ गया है कि राज्य की स्थिति बदली जाए और बंगाल के विकास के लिए नई दिशा में काम किया जाए। उन्होंने दावा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर राज्य के 'नवनिर्माण' की दिशा में तेजी से काम होगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार नहीं होने के बावजूद केंद्र सरकार लगातार पश्चिम बंगाल के विकास के लिए परियोजनाएं ला रही है। उन्होंने हाल ही में शुरू की गई हजारों करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इससे राज्य के बुनियादी ढांचे और रोजगार के अवसरों को मजबूती मिलेगी।

आवास योजना का नाम बदलने का आरोप

पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री आवास योजना का जिक्र करते हुए कहा कि देश के कई हिस्सों में लोगों को इस योजना के तहत पक्के घर मिल रहे हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में इस योजना का नाम बदल दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके बावजूद लोगों को घर नहीं मिल पा रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने जल जीवन मिशन और आयुष्मान भारत जैसी केंद्रीय योजनाओं का भी जिक्र किया और कहा कि राज्य सरकार की नीतियों के कारण इन योजनाओं का पूरा लाभ लोगों तक नहीं पहुंच पा रहा है।

बंगाल की धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ममता सरकार पर तीखा प्रहार किया. कोलकाता में परिवर्तन संकल्प यात्रा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, पीएम मोदी ने कहा- बंगाल में हिन्दुओं को अल्पसंख्यक बनाया जा रहा है. अब बंगाल से निर्मम सरकार का अंत होकर रहेगा. अब बंगाल से महाजंगलराज का खात्मा होगा।

लखनऊ में 7 किमी. लंबा ग्रीन कॉरिडोर शुरू:10 लाख आबादी को फायदा, राजनाथ बोले- अगले महीने चालू होगा कानपुर एक्सप्रेस-वे

लखनऊ, (जीएनएस)। लखनऊ में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने ग्रीन कॉरिडोर फेज-2 का शुक्रवार को लोकार्पण किया। समता मूलक चौराहे पर राजनाथ सिंह और सीएम योगी ने फीता काटकर इसे जनता को सौंपा। इस दौरान कॉरिडोर के तीसरे-चौथे फेज का शिलान्यास भी किया।

झूलेलाल पार्क में आयोजित जनसभा में राजनाथ सिंह ने कहा- इस महीने के अंत या अप्रैल की शुरूआत में लखनऊ-कानपुर एक्सप्रेस वे शुरू हो जाएगा। इसके बाद दोनों शहरों के बीच की दूरी मात्र 35 से 40 मिनट के बीच तय हो सकेगी।

योगी जी को लोग बुलडोजर बाबा के नाम से जानते हैं। इन्होंने माफियाओं को सही कर दिया। बुलडोजर सिर्फ तोड़ने का ही नहीं। नए विकास की जमीन भी तैयार करता है। डिफेंस सेक्टर में भी लखनऊ पीछे नहीं है। ब्रह्मोस, एयरो स्पेस से संबंधित काम भी लखनऊ में होगा। ब्रह्मोस से हमने आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा- राजनाथ जी ने विकास के मामले में लखनऊ को नंबर वन बना दिया। ग्रीन कॉरिडोर बनने के बाद डालीगंज से दाबे क्क्ट रोड तक चले जाओ, 15 मिनट लगेगा। कॉरिडोर का निर्माण रिकॉर्ड समय में काम पूरा करने वाले श्रमिकों को भी सम्मानित किया गया।

गोमती नदी के दोनों किनारों पर बन रहा ग्रीन कॉरिडोर कुल 28 किमी लंबा है। इसे 4 फेज में विकसित किया जा रहा। इसमें चौड़ी सड़कें, 6 लेन, हरियाली और सुगम यातायात के लिए मॉडर्न डिजाइन अपनाई गई है। फेज-2 शुरू होने से करीब 10 लाख लोगों को फायदा मिलेगा।

एलपीजी किल्लत के बीच इस चुनावी राज्य ने किया बड़ा ऐलान, इतने यूनिट फ्री देगी बिजली, जानिए कैसे मिलेगा फायदा?

(जीएनएस)।

ईरान इजराइज के बीच चल रहे तनाव के बीच भारत भर में राज्यों में एलपीजी गैस को लेकर हाहाकार मचा है। एलपीजी गैसी की इस गंभीर कमी से निपटने और लोगों को राहत देने के लिए तमिलनाडु सरकार ने 14 मार्च 2026, शनिवार को एक महत्वपूर्ण घोषणा की है।

मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बताया कि रेस्तरां, चाय की दुकानें, क्लाउड किचन समेत अन्य खान-पान से जुड़ी सर्विस जो एलपीजी से इलेक्ट्रिक स्टोव में बदलेंगी, उन्हें अतिरिक्त बिजली खपत पर प्रति यूनिट ₹2 की सब्सिडी मिलेगी। यह उपाय खाड़ी क्षेत्र के तनावों से उत्पन्न संकट के बीच सेक्टर का सुचारु संचालन सुनिश्चित करेगा।

कब तब मिलेगा फ्री सब्सिडी का फायदा?

यह सब्सिडी केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए कमर्शियल एलपीजी प्रतिबंधों की अवधि तक प्रभावी रहेगी। राज्य में यह ऊर्जा संकट 28 फरवरी को संयुक्त राज्य अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए सैन्य हमले का परिणाम है, जिसने ईरानी सरकार को हॉर्मूज जलडमरूमध्य से समुद्री यातायात अवरुद्ध करने पर मजबूर किया था। टैंगेडको (ळअठॠएऊड) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक जे. राधाकृष्णन ने पुष्टि की है कि इस नाकेबंदी ने भारत को कच्चे तेल और एलपीजी की आपूर्ति गंभीर रूप से बाधित किया है।

बिजली उपकरण खरीदने के लिए सब्सिडी वाला ऋण

इस संकट के जवाब में, राज्य ने सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को इलेक्ट्रिक अवसंरचना में बदलने हेतु एक सहायता पैकेज प्रस्तुत किया है। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक चूल्हों और हीटर जैसे विद्युत उपकरण खरीदने के लिए सब्सिडी वाले ऋणों को मंजूरी दी।

'जय माता दी', अभिषेक शर्मा ने वैष्णो देवी में टेका माथा, एसआरएच के धुरंधर ने आईपीएल से पहले लिया मां का आशीर्वाद

भारतीय क्रिकेट टीम को फाइनल जिताने में युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का अहम रोल रहा है। आईसीसी टी20 रैंकिंग के नंबर-1 बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में स्थित पवित्र वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन किए। टी20 वर्ल्ड कप 2026 की ऐतिहासिक जीत के हीरो में से एक रहे अभिषेक ने अपनी इस सफर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए 'जय माता दी' लिखा।

जारी रहेगी जंग, ईरान और अमेरिका ने सीजफायर के लिए बात करने से किया इनकार

(जीएनएस)।

मिडिल ईस्ट में जारी सैन्य टकराव थमने के बजाय और तेज होता दिखाई दे रहा है। अमेरिका और इजरायल के हालिया हवाई हमलों के बाद शुरू हुआ संघर्ष अब तीसरे सप्ताह में पहुंच गया है। कूटनीतिक कोशिशों के बावजूद न तो वॉशिंगटन और न ही तेहरान युद्धविराम को लेकर तैयार दिख रहे हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव और वैश्विक ऊर्जा बाजार पर असर बढ़ने की आशंका है।

कूटनीतिक प्रयासों को अमेरिका ने ठुकराया

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, मिडिल ईस्ट के कई सहयोगी

कुलदीप यादव को वंशिका ने किया क्लीन बोल्ड, मसूरी में हुई दोनों की शादी, पहली तस्वीर और वीडियो आया सामने

टीम इंडिया के चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव और वंशिका चड्ढा आज मसूरी की खूबसूरत वादियों के बीच हमेशा के लिए एक-दूसरे के हो गए। बेहद सादगी और भव्यता के साथ यह विवाह हुआ।

जैसे ही इस नवविवाहित जोड़े की पहली तस्वीर बाहर आई, प्रशंसकों का इंतजार खत्म हो गया।

शादी की पहली झलक में कुलदीप यादव पारंपरिक परिधान में काफी जंच रहे हैं, वहीं वंशिका ने अपने ग्रेसफुल लुक से सबका ध्यान खींच लिया है।

ईरान के प्रमुख शहर इस्फहान की फैक्ट्री में हवाई हमले में 15 की हुई मौत, ईरान ने इजराइल पर दागी ताजा मिसाइलें

(जीएनएस)।

मिडिल ईरान के प्रमुख शहर इस्फहान में शनिवार को एक फैक्टरी पर हुए हवाई हमले में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई। वहीं ईरान ने इजराइल पर मिसालइलें दागी हैं। घटना के समय फैक्टरी के भीतर कर्मचारी मौजूद थे। इस फैक्टरी में हीटर और रेफ्रिजरेटर जैसे घरेलू उपकरण बनाए जाते हैं। यह हमला उस समय हुआ जब ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच तनाव चरम पर है।

फार्स न्यूज एजेंसी के अनुसार, हवाई हमले ने फैक्टरी को सीधे निशाना बनाया। विस्फोट की तीव्रता इतनी अधिक थी कि फैक्टरी की संरचना को गंभीर क्षति पहुँची। कई कर्मचारी मौके पर ही मारे गए और कई घायल हुए। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय सुरक्षा बल और इमरजेंसी सर्विस तुरंत घटनास्थल पर पहुंचीं।

ईरानी मीडिया ने इस हमले के पीछे अमेरिका और इजराइल को

संदिग्ध बताया है। फार्स न्यूज एजेंसी ने इसे "अमेरिकी-जायोनी दुश्मन" की कार्रवाई कहा। हालांकि, अमेरिका और इजराइल की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि या प्रतिक्रिया नहीं आई है। इस हमले को क्षेत्रीय तनाव और ईरान की सुरक्षा चुनौतियों के संदर्भ में देखा जा रहा है।

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच पिछले महीनों में तनाव लगातार बढ़ा है। दोनों पक्षों ने हवाई हमले, मिसाइल दागने और कूटनीतिक दबाव के माध्यम से एक-दूसरे को चुनौती दी है। इस हमले के बाद मध्य पूर्व में सुरक्षा स्थिति और जटिल हो गई है। अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने भी इस घटना की निंदा की है और तनाव कम करने के प्रयासों की आवश्यकता जताई है।

हमले का प्रत्यक्ष असर फैक्टरी कर्मचारियों पर पड़ा, जिनमें से कई की मौत हुई। फैक्टरी की उत्पादन क्षमता भी प्रभावित हुई है। स्थानीय अधिकारियों ने मृतकों के परिवारों को मदद देने और घायलों का उपचार सुनिश्चित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पाक में ईंधन संकट के बीच बढ़ी कंगाली, जालिम पीएम शरीफ कर्मचारियों की इतने फीसदी कट करवा रहा सैलरी

(जीएनएस)।

पाकिस्तान में बढ़ते ईंधन संकट और डगमगाती अर्थव्यवस्था के बीच सरकार ने अब 'मितव्ययिता' का डंडा चला दिया है। प्रधानमंत्री ग्रुँ९ रँ१ की अगुवाई में हुई उच्च स्तरीय बैठक में फैसला लिया गया किसरकार के सहारे चलने वाले संस्थान और अपने दम पर काम करने वाली संस्थाओं कर्मचारियों की सैलरी में 5 से 30 फीसदी तक कटौती की जाएगी।

यानी महंगाई से पहले ही परेशान लोगों की जेब पर अब सरकार की कैंची भी चलने वाली है। सरकार का कहना है कि इस कटौती से बचाए गए पैसे का इस्तेमाल "जन राहत" के लिए किया जाएगा।

सरकारी गाड़ियों पर ब्रेक, ईंधन आधा

ईंधन की बढ़ती कीमतों से निपटने के लिए सरकारी खर्च कम करने पर भी जोर दिया गया है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि सरकारी वाहनों के लिए ईंधन आवंटन में 50 फीसदी कटौती सुनिश्चित की जाए और इसके लिए तीसरे पक्ष से ऑडिट कराया जाएगा। इतना ही नहीं, अगले दो महीनों के भीतर करीब 60 फीसदी सरकारी गाड़ियों को सड़कों से हटाने की तैयारी भी है, ताकि ईंधन की खपत घटाई जा सके।

नई खरीद पर रोक, बोर्ड फीस भी खत्म

सरकार ने यह भी तय किया है कि फिलहाल नई सरकारी गाड़ियों की खरीद और अन्य सरकारी खरीद पर पूरी तरह रोक रहेगी। साथ ही सरकारी निगमों और संस्थानों के बोर्ड में काम करने वाले प्रतिनिधियों को मिलने वाली भागीदारी फीस भी खत्म कर दी गई है, जिसे अब बचत के तौर पर जोड़ा जाएगा।

मंत्रियों की सैलरी भी 'जन कल्याण' में

योजना के तहत कैबिनेट सदस्यों, मंत्रियों, सलाहकारों और विशेष सहायकों के अगले दो महीनों के वेतन को भी जन कल्याण के लिए बचत के रूप में इस्तेमाल किया जाएगा।

लखनऊ मंडल की फुटबॉल टीम घोषित

लखनऊ। अंडर-19 जूनियर बालक स्टेट फुटबॉल चैंपियनशिप के लिए लखनऊ मंडल की टीम शनिवार को घोषित कर दी गई है। टीम में सूर्यांश चौरसिया, अक्षय पाण्डेय, आदित्य, आयुष गोसाई, हर्षवर्धन सिंह, शोभित

मिश्रा, हर्ष पटेल, वीर भान गोंड, खिलारी विवेक गंगाराम, सूफियान अहमद, शिवांश सिंह, मुकर्रम अली, ऋषभ बिष्ट, हर्ष यादव, अर्श सिंह और आजाद विक्रम सिंह को जगह मिली है। अतिरिक्त खिलाड़ियों में अभिषेक सिंह और डेनियाल मसीह को अतिरिक्त खिलाड़ी के रूप में टीम में रखा गया है।

अचानक क्यों भड़के किम जोंग उन? क्यों दागीं 10 मिसाइलें, किस देश से है लफड़ा?

(जीएनएस)।

दुनियाभर में पहले से ही युद्ध की आग धधक रही है। ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक शांति को खतरे में डाल दिया है। इसी बीच, उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने एक साथ 10 बैलिस्टिक मिसाइलें दागकर दुनिया को और भी डरा दिया है।

इन मिसाइलों के जापान सागर की ओर गिरते ही खलबली मच गई। जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची के प्रशासन ने बिना वक्त गंवाए देश में आपातकालीन अलर्ट जारी कर दिया। इस कदम से न सिर्फ दक्षिण कोरिया, बल्कि पूरी दुनिया में तीसरे विश्व युद्ध जैसी चचाएं तेज हो गई हैं।

सियोल के जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (JCS) ने इस बात की पुष्टि की है कि उत्तर कोरिया ने सुनान इलाके से लगभग 10 अज्ञात मिसाइलें दागी हैं।

यह घटना दोपहर के करीब 1:20 बजे हुई, जब मिसाइलों ने आसमान चीरते हुए पूर्वी सागर की ओर रुख किया। एक साथ इतनी बड़ी संख्या में मिसाइलें छोड़ना किम जोंग उन की सोची-समझी रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। इससे पहले प्योंगयांग ने साफ कहा था कि वह किसी भी उकसावे का जवाब "भयानक परिणामों" से देगा।

यह पूरा विवाद उत्तर कोरिया द्वारा दक्षिण कोरिया और अमेरिका के बीच चल रहे 'फ्रीडम शील्ड' सैन्य अभ्यास के विरोध से जुड़ा है। किम जोंग उन का मानना है कि यह अभ्यास उनकी सुरक्षा के लिए खतरा है और अमेरिका इसके जरिए उन पर हमला करने की तैयारी कर रहा है। इसी कारण उत्तर कोरिया ने पहले ही 'भयानक परिणामों' की चेतावनी दी थी। जब अभ्यास नहीं रुका, तो जवाब में प्योंगयांग ने एक साथ 10 मिसाइलें दागकर अपनी नाराजगी और ताकत का प्रदर्शन किया।

क्यों किया गया यह मिसाइल अटैक?

जानकारों का मानना है कि इस अटैक के पीछे किम जोंग उन का दोहरा मकसद है। पहला, वह अपनी मिसाइल तकनीक को दुनिया के सामने परखना चाहते थे। दूसरा, वह अमेरिका और उसके सहयोगियों को रणनीतिक संदेश देना चाहते हैं कि उत्तर कोरिया किसी भी दबाव में नहीं झुकेगा। वर्तमान में जब अमेरिका ईरान और इजराइल के संघर्ष में उलझा हुआ है, किम जोंग उन ने इस मौके का फायदा उठाते हुए अपनी सैन्य शक्ति दिखाई है ताकि एशिया में उनका दबदबा बना रहे।

जब पूरी दुनिया की नजरें मध्य पूर्व में ईरान और इजराइल के बीच जारी संघर्ष पर टिकी हैं(

ईमान और तकवा के आधार पर उदारता, राह आसान करती है: महदवी समाज क्लासेस

लखनऊ शहर के विभिन्न स्थानों पर माह-ए-रमजान के मुबारक महीने में 'महदवी समाज' के शीर्षक से धार्मिक कक्षाओं (क्लासेस) का सिलसिला जारी है। इन कक्षाओं में कुरानियात (कुरान का अध्ययन), धार्मिक ज्ञान, अहकाम (नियम), अकायद (आस्था) और इतिहास जैसे विषयों पर चर्चा की जा रही है।

इसी सिलसिले में सरफराजगंज स्थित रौजा मौला अली (अ.स.) में स्थापित सेंटर पर मौलाना सैयद मोहम्मद अब्बास शारब साहब ने कुरानियात के दरस (व्याख्यान) पेश किए। सूरह अल-लैल पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहाः

नाम का महत्वः इस सूरह का नाम इसकी पहली आयत में मौजूद शब्द 'अल-लैल' (रात) के आधार पर रखा गया है।

सफलता का राजः यह सूरह जीवन की सफलता और विफलता के रहस्यों को बयान करता है। जो व्यक्ति अल्लाह की राह में अपना धन खर्च करता है और 'तकवा' (परहेजगारी/ईश्वर का भय) अख्तियार करता है, अल्लाह उसके लिए आसानियों के साधन उपलब्ध करा देता है।

विफलता का कारणः इसके विपरीत, यदि कोई व्यक्ति कंजूसी करता है, नेकी को झुठलाता है और खुद को ईश्वर से बेपरवाह (बेनियाज) समझता है, तो उसे मुश्किलों का सामना करना होगा।

इस सूरह में अल्लाह की राह में खर्च करने के महत्व पर जोर दिया गया है और लोगों को भलाई के काम करने का निमंत्रण दिया गया है। वास्तव में, ईमान और तकवा के आधार पर उदारता (सखावत) दिखाने वाले व्यक्ति की मानसिक और आध्यात्मिक स्थिति उसे नेक कार्यों के लिए तैयार करती है और उसे भलाई के कामों से मानूस (अभ्यस्त) कर देती है।

क्या आप इस अनुवाद में किसी विशिष्ट शब्द का अर्थ समझना चाहेंगे या इसे और अधिक औपचारिक हिंदी में बदलना चाहेंगे?

भाषा विश्वविद्यालय की एनसीसी कैडेट ने गुलमर्ग में राष्ट्रीय बेसिक स्नोबोर्डिंग कैंप में लिया भाग

लखनऊ ख़्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, लखनऊ की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की कैडेट ने जम्मू-कश्मीर के प्रसिद्ध पर्वतीय स्थल गुलमर्ग में आयोजित राष्ट्रीय स्तर के बेसिक स्नोबोर्डिंग कैंप (इरइउ-08) में भाग लेकर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया। यह शिविर 24 फरवरी से 9 मार्च 2026 तक आयोजित किया गया, जिसका आयोजन जेआईएम एंड विंटर स्पोर्ट्स, जम्मू-कश्मीर द्वारा एनसीसी के तत्वावधान में किया गया।

इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय साहसिक प्रशिक्षण शिविर में देश के विभिन्न एनसीसी निदेशालयों के कैडेटों ने भाग लिया। इनमें मध्य प्रदेश निदेशालय, गुजरात निदेशालय तथा हरियाणा-चंडीगढ़-हिमाचल प्रदेश निदेशालय सहित कई राज्यों के कैडेट शामिल रहे। इस प्रकार यह शिविर देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कैडेटों के लिए अनुभव साझा करने और साहसिक प्रशिक्षण प्राप्त करने का महत्वपूर्ण मंच बना।

उत्तर प्रदेश निदेशालय से इस कैंप के लिए कुल पाँच एनसीसी कैडेटों का चयन किया गया था। इनमें से कैडेट साक्षी मिश्रा, जो भाषा विश्वविद्यालय की द्वितीय वर्ष की छात्रा तथा 20 यूपी गर्ल्स बटालियन एनसीसी, लखनऊ की कैडेट हैं, ने सफलतापूर्वक इस शिविर में सहभागिता की।

शिविर के दौरान कैडेटों को स्नोबोर्डिंग तथा शीतकालीन साहसिक गतिविधियों का विशेष प्रशिक्षण दिया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य कैडेटों में साहसिक भावना, नेतृत्व क्षमता, अनुशासन, टीमवर्क तथा प्रतिकूल मौसम में कार्य करने की क्षमता का विकास करना था।

राष्ट्रीय स्तर के इस प्रतिष्ठित शिविर में भागीदारी से विश्वविद्यालय को गौरव प्राप्त हुआ है तथा यह विश्वविद्यालय द्वारा एनसीसी कैडेटों के व्यक्तित्व विकास और साहसिक गतिविधियों को प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता को भी दशार्ता है।

कैडेटों को इस अवसर तक पहुँचाने में एएनओ लेफ्टिनेंट डॉ. बुशरा अलवेरा का विशेष मार्गदर्शन एवं प्रेरणा रही। विश्वविद्यालय प्के माननीय कुलपति महोदय, प्रो० अजय तनेजा ने कैडेट साक्षी मिश्रा को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनका अनुभव अन्य एनसीसी कैडेटों को भी राष्ट्रीय स्तर की गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करेगा।

'साइकॉन 2026' में तकनीक और मानव मन के रिश्ते पर चर्चा

- 'माइंड इन द मशीन' थीम के साथ मानसिक स्वास्थ्य और तकनीक के बदलते संबंधों पर चर्चा

- बदलते माहौल में मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल अनिवार्य

लखनऊ 14 मार्च 2026:

टाइम क्या हुआ? सुबह उठते ही इस सवाल का जवाब आप अपने फोन से पूछते हैं। कॉलेज डेज में क्लास ज्वाइन करने से पहले व्हाट्सएप ग्रुप ज्वाइन करते हैं। यहीं से आप मोबाइल की गिरफ्त में आते हैं। ऐसे ही डिजिटल डोपामिन से जुड़े विभिन्न विषयों पर दो दिवसीय 'साइकॉन 2026' राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस दौरान चर्चा की गई कि तकनीक तेजी से हमारी जिंदगी का हिस्सा बन रही है और इसका असर हमारे सोचने-समझने, भावनाओं, व्यवहार और फैसले लेने क्षमताओं तक में दिखाई देने लगा है।

निर्वाण हॉस्पिटल द्वारा आयोजित सम्मेलन में देश भर के मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक, शोधकर्ता और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यक्रम उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मुख्य सलाहकार, मा. मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश श्री अवनीश अवस्थी उपस्थित रहे। इसके अलावा निर्वाण हॉस्पिटल के संस्थापक अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एच. के. अग्रवाल, डॉ. दीप्तांशु अग्रवाल, मेडिकल डायरेक्टर, निर्वाण हॉस्पिटल, डॉ. टी.बी. सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, आईएचबीएएस, दिल्ली, डॉ. प्रांजल अग्रवाल, डायरेक्टर, निर्वाण हॉस्पिटल, श्रीमती अस्था शर्मा, विभागाध्यक्ष - क्लिनिकल साइकोलॉजी, निर्वाण हॉस्पिटल और

संगठन सचिव - साइकॉन 2026 श्री हिमांशु सिंह, डायरेक्टर, कम्पोजिट रीजनल सेंटर (सीआरसी), लखनऊ भी शामिल रहे।

सम्मेलन की थीम 'माइंड इन द मशीन टेक्नोलॉजी और मानव जीवविज्ञान का संबंध' रखी गई। इस थीम के माध्यम से यह समझने का प्रयास किया गया कि तकनीक किस तरह मानव मस्तिष्क, भावनाओं और व्यवहार को प्रभावित कर रही है। कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने बताया कि लाइक्स और शेयर के फेर में आकर लोग अपना मानसिक सुकून खो रहे हैं। यहां तक कि प्रेग्नेंट महिलाओं में अधिक फोन का इस्तेमाल उनके होने वाले बच्चे पर बुरा असर डाल रहा है। वहीं छोटे बच्चों में अधिक स्क्रीन टाइम मोटापे से लेकर ड्रग अब्यूज, अनिद्रा और सोचने की क्षमता को प्रभावित कर रहा है।

सम्मेलन के पहले दिन हमेशा ऑनलाइन रहने के नुकसान, यौन आक्रामकता की शुरूआत, कहानियों का मनोविज्ञान, ऑनलाइन के अधिक इस्तेमाल से लेखन पर प्रभाव, आज की सुस्त लाइफस्टाइल और डिजिटल दुनिया से इंसानी शरीर में बदलाव, उम्र के साथ बदलती तकनीक और उसके असर जैसे पर चर्चा की गई।

निर्वाण हॉस्पिटल के संस्थापक अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. एच. के. अग्रवाल ने कहा कि तकनीक आज मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा दे रही है। हमारा उद्देश्य है कि विशेषज्ञ एक मंच पर आकर इस बदलाव को समझें और ऐसे समाधान खोजें जो मरीजों के लिए सुरक्षित और प्रभावी हों।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि एवं मुख्य सलाहकार, मा. मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश श्री अवनीश अवस्थी (से.नि. आईएएस) ने कहा कि मेंटल हेल्थ का एरिया देश में सबसे अधिक महत्वपूर्ण और सेंसेटिव है, जिसपर ध्यान दिया जाना चाहिए। कोरोना के दौरान बड़ी संख्या में लोग घर पर बंद थे। इस दौरान घर पर वर्किंग प्रोफेशनल्स, महिलाएं और स्टूडेंट बैठे थे और मानसिक तनाव से जूझ रहे थे। ऐसे में सरकार ने स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट के साथ मिलकर उनकी मदद की। अगर हम क्लिनिकल सायकलॉजी और मेंटल हेल्थ के एरिया में एआई को जोड़ सकें तो इसके परिणाम अभूतपूर्व हो सकते हैं। इसके साथ ही क्लिनिकल सायकलॉजी की मदद से ड्रग एब्यूज और रिहैबिलिटेशन जैसे विषयों पर समाधान खोजने की अत्यंत आवश्यकता है क्योंकि स्टूडेंट्स में सिर्फ लड़के ही नहीं लड़कियां भी इसकी गिरफ्त में है।

प्रो. (डॉ.) तेज बहादुर सिंह

पूर्व प्रोफेसर, क्लिनिकल साइकोलॉजी ने कहा कि आज क्लिनिकल साइकोलॉजी एक ऐसे दौर में खड़ी है जहाँ मानवीय समझ और तेजी से बदलती तकनीक साथ-साथ आगे बढ़ रही हैं। मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की जिम्मेदारी केवल उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि बदलती दुनिया की नई चुनौतियों को समझना भी उतना ही जरूरी है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल तकनीकों का उपयोग मानसिक रोगों की शुरूआती पहचान, बेहतर आकलन और व्यक्ति-केंद्रित उपचार में नई संभावनाएँ खोल रहा है। लेकिन तकनीक के साथ संवेदनशीलता और मानवीय दृष्टिकोण हमेशा केंद्र में रहना चाहिए।

देहरादून-लखनऊ वंदे भारत एक्सप्रेस अब 16 कोच के साथ दौड़ी, यात्रियों को मिलेगी अधिक सुविधा

लखनऊ/देहरादून। दून से लखनऊ के बीच चलने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस शनिवार को पहली बार 16 कोच के साथ रवाना हुई।

अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस इस ट्रेन के स्टेशन पहुंचते ही यात्रियों और रेलवे अधिकारियों में खासा उत्साह दिखा।

हालांकि, संचालन के पहले दिन ट्रेन में यात्रियों की भीड़ सामान्य रही। पहले यह ट्रेन आठ कोच के साथ चल रही थी, लेकिन शनिवार से कोच की संख्या दोगुनी कर दी गई है।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, लखनऊ से देहरादून आने वाली गाड़ी संख्या-22545 अपने निर्धारित समय दोपहर 1:40 बजे देहरादून रेलवे स्टेशन पहुंची।

प्लेटफार्म पर 16 कोच वाली वंदे भारत के प्रवेश करते ही यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों के बीच उत्सुकता का माहौल बन गया।

कई यात्रियों ने ट्रेन के साथ तस्वीरें भी लीं। इसके बाद वापसी में गाड़ी संख्या-22546 दोपहर 2:25 बजे दून से लखनऊ के लिए रवाना हुई।

ट्रेन के प्रस्थान के दौरान रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी स्टेशन पर मौजूद रहे और पूरी व्यवस्था पर नजर बनाए रखी।

वरिष्ठ स्टेशन अधीक्षक रविंद्र कुमार ने बताया कि पहले दिन ट्रेन में यात्रियों की संख्या सामान्य रही, लेकिन आने वाले दिनों में 16 कोच के संचालन से यात्रियों को बड़ा लाभ मिलेगा।

उन्होंने कहा कि अब इस ट्रेन में पहले के मुकाबले अधिक सीटें उपलब्ध होंगी, जिससे कन्फर्म टिकट मिलने की उम्मीद भी बढ़ेगी।

रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, देहरादून-लखनऊ रूट पर यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

ऐसे में अतिरिक्त कोच जोड़ने से यात्रियों को बेहतर सुविधा मिलेगी और इस रूट पर यात्रा करना पहले से अधिक आरामदायक और सुविधाजनक हो जाएगा।

उन्होंने बताया कि अतिरिक्त कोच के साथ ट्रेन संचालन शुरू होने से दून, हरिद्वार, मुरादाबाद, बरेली और लखनऊ के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए यह सेवा और अधिक उपयोगी साबित होगी, क्योंकि अब अधिक यात्री एक साथ इस तेज और आरामदायक ट्रेन सेवा का लाभ उठा सकेंगे।

प्रयागराज मंडल द्वारा उ.प्र. एसआई परीक्षार्थियों के लिए चलाई गई एग्जाम स्पेशल ट्रेनें

आज दिनांक 14 मार्च, 2026 को प्रयागराज मंडल द्वारा उत्तर प्रदेश पुलिस उपनिरीक्षक (वढ रक) भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए विशेष प्रबंध किए गए। बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों के आवागमन को देखते हुए प्रयागराज मंडल प्रशासन द्वारा आवश्यकतानुसार एग्जाम स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया, जिससे परीक्षार्थियों को अपने परीक्षा केंद्रों तक पहुंचने में किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मंडल रेल प्रबंधक/प्रयागराज, श्री रजनीश अग्रवाल के निर्देशन में पूरी व्यवस्था को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित किया गया। प्रयागराज जंक्शन, कानपूर सेंट्रल एवं अन्य प्रमुख स्टेशनों परीक्षार्थियों की सुविधा के दृष्टिगत प्लेटफॉर्म, टिकट काउंटर तथा प्रवेश/निकास द्वारों पर विशेष व्यवस्थाएं की गईं । इसके साथ ही मंडल स्तर पर स्थापित वार रूम से प्रमुख स्टेशनों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी गई। अधिकारियों द्वारा भीड़ की स्थिति, यात्री आवागमन तथा प्लेटफॉर्म व्यवस्था का सतत अवलोकन किया जाता रहा, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर तुरंत आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

प्रयागराज मंडल द्वारा संचालित की गई गाड़ियों का विवरण निम्नांकित है :

1. कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज जंक्शन एग्जाम स्पेशल ट्रेन ने कानपुर सेंट्रल से 13:50 बजे प्रस्थान किया । इस ट्रेन में 22 कोच लगाये गए थे ।

2. कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज जंक्शन एग्जाम स्पेशल ट्रेन कानपुर सेंट्रल के प्लेटफोर्म संख्या -4 पर 18:00 बजे प्लेस की गई ।

परीक्षार्थियों की सहायता एवं सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (RPF) तथा राजकीय रेलवे पुलिस (GRP) के जवानों को प्रमुख स्टेशनों एवं ट्रेनों में तैनात किया गया। इसके अतिरिक्त वाणिज्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भी स्टेशन परिसर में यात्रियों का मार्गदर्शन किया गया तथा आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई गई। टिकट जांच स्टाफ और हेल्प डेस्क कर्मियों द्वारा परीक्षार्थियों को प्लेटफॉर्म, ट्रेन समय तथा अन्य आवश्यक सूचनाएं प्रदान की जाती रहीं।

रेलवे प्रशासन द्वारा अभ्यार्थियों की सुविधा, सुरक्षा एवं सुचारु संचालन को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। स्टेशन परिसर में भीड़ नियंत्रण, मार्गदर्शन, स्वच्छता तथा आवश्यक सहायता के लिए संबंधित विभागों को सतर्क किया गया । अभ्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए रेलवे कर्मियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं।

भीड़ प्रबंधन को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रमुख स्टेशनों पर अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती की गई तथा यात्रियों को लाइन में व्यवस्थित रूप से प्रवेश एवं निकास के लिए प्रेरित किया गया। सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से भी यात्रियों को लगातार आवश्यक सूचनाएं दी जाती रहीं, जिससे प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ न लगे और यातायात सुचारु रूप से चलता रहे।

रेलवे का निरंतर प्रयास है कि अभ्यार्थियों को परीक्षा जैसे महत्वपूर्ण अवसरों पर बेहतर यात्रा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। यह परीक्षा विशेष गाड़ी इसी दिशा में एक सकारात्मक कदम है, जिससे परीक्षार्थी तनावमुक्त होकर अपनी परीक्षा में सम्मिलित हो सकें और समय पर अपने परीक्षा केंद्र/गंतव्य तक पहुँच सकें।

अमित कुमार सिंह
जनसम्पर्क अधिकारी
प्रयागराज मंडल, उत्तर मध्य रेलवे

प्रयागराज में हाउस टैक्स में 40% की छूट अप्रैल से नियम होगा लागू

20 साल पुराने भवनों के मालिकों को राहत सदन में पास हुआ प्रस्ताव

प्रयागराज

नगर निगम अधिनियम के तहत शहरी क्षेत्र के 20 वर्ष से अधिक पुराने भवनों के मालिकों को हाउस टैक्स में 40% की छूट मिलेगी इसके लिए कोई आवेदन या आग्रह की जरूरत नहीं है #महापौर #गणेश केसरवानी की अध्यक्षता में आयोजित नगर निगम सादन की बैठक में या फैसला लिया गया ।

यह छूट अप्रैल #2026 से प्रभावित होगी जिसमें पुराने शहर के निवासियों को सबसे अधिक लाभ मिलेगा। कीडगंज ,रामबाग ,बहराना चौक ,शाहगंज ,करेली ,मालवीय नगर, मुंडेरा और चकिया, जैसे घनी आबादी वाले क्षेत्र के लोग इनका प्रमुख लाभ लेंगे, वार्ड नंबर

13 के पार्षद आकाश सोनकर के प्रस्ताव पर महापौर ने सदन में संकल्प पारित कराया, नगर निगम का मूल बजट घाटा ।

इससे ब्याज छूट के साथ-साथ टैक्स जमा करने की सुविधा होगी, तीन दिनों में शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा और मंजूरी मिलने पर योजना अमल में आएगी ।

बैठक में नगर आयुक्त अपर नगर आयुक्त मुख्य कर अधिकारी मुख्य अभियंता मुख्य विद्युत यांत्रिक अधिकारी मौजूद रहे।

थाना सरायइनायत पुलिस टीम द्वारा 01 वांछित अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे से चोरी के मोटरसाइकिल के 04 शॉकर बरामद

श्रीमान् पुलिस आयुक्त महोदय व अतिरिक्त पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में श्रीमान् पुलिस उपायुक्त व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त थरवई के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना सरायइनायत पर पंजीकृत मु0अ0सं0-385/2025 धारा-3(5)/317(2)/ 317(5)/ 318 (4)/ 336(3)/ 338/ 340(2) भा0न्या0सं0 से सम्बन्धित वांछित अभियुक्त राजा पासी उर्फ राजा भारतीया पुत्र स्व0 श्याम सिंह निवासी ग्राम कनेहटी थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना सरायइनायत पुलिस टीम द्वारा दिनांक-13.03.2026 को थाना सरायइनायत क्षेत्रान्तर्गत हबुसा मोड़ के पास से चोरी के मोटरसाइकिल के 04 शॉकर के साथ गिरफ्तार किया गया । उक्त

गिरफ्तारी/बरामदगी के पश्चात नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

पूछताछ का विवरण-

गिरफ्तार अभियुक्त ने पूछताछ करने पर यह प्रकाश में आया कि अभियुक्त राजा पासी उर्फ राजा भारतीया उपरोक्त द्वारा अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर विभिन्न जगहों से मोटरसाइकिलों को चोरी की जाती थी, चोरी के उपरान्त उनका नम्बर प्लेट हटाकर व फर्जी तथा चेचिस नम्बर को खुरचकर मोटरसाइकिल तथा उसके विभिन्न पाट्र्स को बेचा जाता था तथा प्राप्त रूपयों को आपस में बांटकर अपने शौक पूरा किया जाता था ।

पूर्व में मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित 06 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है ।

गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण-

राजा पासी उर्फ राजा भारतीया पुत्र स्व0 श्याम सिंह निवासी ग्राम कनेहटी थाना बहरिया कमिश्नरेट प्रयागराज, उम्र करीब 20 वर्ष ।

सम्बन्धित अभियोग का विवरण-

मु0अ0सं0-385/2025 धारा-3(5)/317(2)/317(5)/318(4)/336(3)/338/340(2) भा0न्या0सं0 थाना सरायइनायत कमिश्नरेट प्रयागराज ।

बरामदगी का विवरण-

04 मोटरसाइकिल के शॉकर ।

गिरफ्तारी/बरामदगी करने वाली पुलिस टीम- 1. उ0नि0 उ0नि0 शिवानन्द यादव, थाना सारय कमिश्नरेट प्रयागराज। उ0नि0 उ0नि0 मनोज यादव, थाना सराय कमिश्नरेट प्रयागराज।

3. हे0का0 राजीव पाण्डेय, थाना सराय कमिश्नरेट प्रयागराज ।

पुलिस उपायुक्त गंगानगर द्वारा आज दिनांक-14.03.2026 को 'उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस/समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा' को सकुशल, पारदर्शी, निष्पक्ष, शुचितापूर्ण एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराये जाने हेतु गंगानगर जोन के फाफामऊ क्षेत्रांतर्गत विभिन्न के परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया तथा संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस मौके पर सहायक पुलिस आयुक्त थरवई मौजूद रहें।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh. and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 8485951747,7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

ईरान अपनी लड़ाई लड़ तो अकेले ही रहा है किन्तु कई महाशक्तियों का परोक्ष-अपरोक्ष सहयोग भी पा रहा

बड़ी राहत भारत में इस वक्त रसोई गैस (एलपीजी) संकट से न सिर्फ होटल और रेस्तरां जूझ रहे हैं बल्कि आम उपभोक्ता भी परेशान हैं। सरकार आश्वासन दे रही है कि गैस भंडार भरा हुआ है किन्तु सिलेंडर खाली होने से उपभोक्ता घबराए हुए हैं। स्थिति को भांप कर ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीधे ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से बात की और आग्रह किया कि एलपीजी से भरे उनके जहाजों को स्ट्रेट ऑफ होर्मूज से गुजरने की अनुमति दी जाए। ईरान ने भारत के अनुरोध को मान लिया और शनिवार को राष्ट्रीय ध्वज लगे दो भारतीय जहाजों को स्ट्रेट ऑफ होर्मूज से गुजरने की अनुमति दे दी। ईरान के इस सहयोग के बाद अब कामर्शियल एलपीजी की भारी किल्लत के चलते देश में रेस्टोरेंट और हास्पिटलिटी सेक्टर ठप होने से बच जाएगा। नई दिल्ली स्थित ईरान के राजदूत मोहम्मद फताली ने इस निर्णय को भारत और ईरान की पुरानी दोस्ती का प्रमाण बताते हुए भारत को अपने देश का आज भी मित्र बताया और कहा कि युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने विभिन्न क्षेत्रों में ईरान की सहायता की है। मजे की बात तो यह है कि राजदूत फताली ने उम्मीद जाहिर की है कि भारत के दो दर्जन जहाजों को अभी अनुमति मिलने की उम्मीद है क्योंकि इस विषय पर दोनों देशों के बीच चर्चा जारी है। दरअसल स्ट्रेट ऑफ होर्मूज में ईरान द्वारा भारत की जहाजों को सुरक्षित रास्ता न देने के कारण 80 प्रातिशत एलपीजी की आपूर्ति बाधित हुई थी किन्तु भारत सरकार ने धैर्य एवं सूझबूझ से इस संकट को हल करने के लिए जो प्रायास किया, उसी का परिणाम है कि अमेरिका-इजरायल और ईरान युद्ध के बीच भी भारत को यह सफलता मिल सकी। असल में भारत इस बात को अच्छी तरह जानता है कि ईरान के खिलाफ इजरायल-अमेरिका चाहे जितना भयंकर प्राहार करें किन्तु यदि तेहरान ने पैसला कर लिया कि वह युद्ध बंद करने कि बजाए युद्ध जारी रखते हुए मरना पसंद करेगा तो दुनिया बद से बदतर स्थिति में पहुंच जाएगी। यह बात तो अमेरिका भी जानता है कि ईरान, अर्जेंटीना नहीं है। ईरान के पास बैलिस्टिक मिसाइलों का भंडार है और वह कदापि हार मानकर बैठने वाला नहीं है। इसके अलावा ईरान में आज भी राष्ट्रवादी जनता मौजूदा सरकार के साथ ही है। जो जनता और व्यवसायी खामेनेई परिवार की बादशाहत के खिलाफ आंदोलन कर रहे थे, वे भी इस संकटग्रास्त परिस्थिति में देश को अस्थिर होने के पक्ष में नहीं हैं। चार दशक पहले ईरान छोड़ चुके रजा पहेलवी के वंशजों को ईरान भूगोल की भी जानकारी नहीं है। पहेलवी परिवार पहले भी आम जनता से कट चुका था। इसलिए ईरान की जनता यह मानकर चल रही है कि उनके एक सुप्रीम लीडर को भले ही इजरायल ने मार डाला और मौजूदा सुप्रीम लीडर भी इजरायल और अमेरिका के निशाने पर हैं किन्तु यदि इस वक्त ईरान हार मानकर बैठ गया तो देश में न सिर्फ गृह युद्ध छिड़ जाएगा बल्कि मोशाद और सीआईए के नंगे नाच से पूरा ईरान अराजकता की आग में जल कर राख हो जाएगा। ईरान अपनी लड़ाई लड़ तो अकेले ही रहा है किन्तु उसे दुनिया के कई महाशक्तियों का सव्रिय सहयोग भी मिल रहा है। जहां तक सवाल भारत का है तो नई दिल्ली कभी भी नहीं चाहेगा कि ईरान अस्थिर हो। ईरान की अस्थिरता का असर भारत की न सिर्फ अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा बल्कि हमारी भूराजनीतिक चुनौतियां भी बढ़ जाएंगी। भारत के लिए मित्र राष्ट्र अमेरिका भी है तो ईरान भी है। भारत के लिए मित्र इजरायल भी है। यह तो वूटनीतिक कौशल भारत का है जो सभी के साथ मित्र की तरह व्यवहार करे और उन्हें भी भारत के साथ मित्रवत व्यवहार करने के लिए प्रोरित करे। भारत के लिए फिलस्तीन मित्र हो सकता है किन्तु हमास कदापि नहीं। हमास यदि भारत विरोधी पाक आतंकी संगठनों को ट्रेनिग दे रहा है तो वह भारत का दुश्मन है। बहरहाल भारत की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि अपने हितों के परिप्रोक्ष्य में विभिन्न देशों से किस तरह समीकरण बैठाए जा सकते हैं। भारत दो देशों के बीच संघर्ष के प्राति भले ही निरपेक्ष रहता है, किन्तु इसका मतलब यह नहीं कि वह निष्क्रिय है। भारत को जो भी उचित महसूस होगा, वह भलाई ईरान के साथ करने के लिए किसी भी देश की अनुमति की जरूरत नहीं है। इसी को कहते हैं स्वतंत्र विदेश नीति। स्वतंत्र विदेश नीति के फायदे भी हैं और नुकसान भी।

अपनी खूबसूरती और अभिनय से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मधु मल्होत्रा का 72 साल की उम्र में निधन

मधु मल्होत्रा का हुआ निधन, बॉलीवुड एक्ट्रेस ने खतरनाक विलेन से की थी शादी, पति के 12 महिलाओं से थे संबंध

(जीएनएस)। बॉलीवुड इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आई है। 70 और 80 के दशक में अपनी खूबसूरती और अभिनय से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री मधु मल्होत्रा का 72 साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने 13 मार्च 2026 को मुंबई में अंतिम सांस ली। उम्र से जुड़ी बीमारियों के कारण वे पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रही थीं। उनके निधन की खबर सामने आते ही फिल्म जगत और उनके चाहने वालों में शोक की लहर दौड़ गई।

मधु मल्होत्रा ने उस दौर में फिल्मों में कदम रखा जब हिंदी सिनेमा में कई बड़े सितारों का दबदबा था। इसके बावजूद उन्होंने अपनी प्रतिभा के दम पर इंडस्ट्री में एक अलग जगह बनाई। उन्होंने कई फिल्मों में सहायक और महत्वपूर्ण किरदार निभाए और अपने सहज अभिनय से दर्शकों का ध्यान खींचा।

इन फिल्मों में आईं नजर

सत्ते पे सत्ता, रिश्ता कागजा का,

कर्ज, हीरो, विश्वनाथ और कयामत जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीता।उनकी अदाकारी की खासियत यह थी कि वे छोटे किरदारों में भी जान डाल देती थीं। कई फिल्मों में उन्होंने पारिवारिक और भावनात्मक भूमिकाएं निभाईं, जिन्हें दर्शकों ने खूब सराहा। अपने करियर के दौरान उन्होंने अलग-अलग तरह के रोल किए और लंबे समय तक फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा बनी रहीं।

90 के दशक के खूंखार विलेन से रचाई थी शादी

मधु मल्होत्रा की पर्सनल लाइफ भी अक्सर चर्चा में रही। उनकी शादी 90 के दशक के चर्चित और सबसे खूंखार फिल्म विलेन महेश आनंद से हुई थी। महेश आनंद बॉलीवुड में अपने दमदार और खतरनाक खलनायक के किरदारों के लिए जाने जाते थे और उन्होंने कई हिट फिल्मों में काम किया था। कहा जाता है कि महेश आनंद की यह तीसरी शादी थी। दोनों का रिश्ता उस समय काफी चर्चा में रहा, क्योंकि अभिनेता की निजी जिंदगी पहले से ही कई रिश्तों और विवादों की वजह से खबरों में रहती थी।

नहीं चला दोनों का रिश्ता

मधु मल्होत्रा और महेश आनंद की लव लाइफ ज्यादा समय तक नहीं चल सकी। समय के साथ उनके रिश्ते में दूरियां आने लगीं और आखिरकार दोनों अलग हो गए। अलगाव के बाद मधु मल्होत्रा ने खुद को लाइमलाइट से दूर रखना ही बेहतर समझा और अपनी निजी जिंदगी को बेहद निजी बनाए रखा।

मधु के पति के 12 महिलाओं से थे संबंध, 5 से की शादी

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार महेश आनंद के निजी जीवन में कुल 12 महिलाओं से संबंध थे, जिनमें से कुछ के साथ लिव-इन रिलेशनशिप थे और उन्होंने कुल पांच बार शादी की थी। उनकी पांच शादियों की थी। जिसमें पहली पत्नी बरखा रॉय (एक्तरेस रीना रॉय की बहन) से शादी, जो जल्दी टूट गई। दूसरी पत्नी मिस इंडिया इंटरनेशनल एरिका मारिया डिसूजा, जिनसे उनका एक बेटा त्रिशूल (बाद में नाम बदलकर एंथनी वोहरा) हुआ। तीसरी पत्नी अभिनेत्री मधु मल्होत्रा थीं। चौथी पत्नी टीवी अभिनेत्री ऊषा बचानी थीं, जिनके दो बच्चे भी थे। पांचवीं पत्नी एक रूसी मॉडल लाना थीं, जिन्होंने उनकी मौत के समय उनकी लाश को श्मशान घाट तक पहुंचाया था। समाचार के अनुसार महेश आनंद अंत में अकेले रहे और उनकी लाश तीन दिन तक पड़ी रही क्योंकि कोई नहीं आया।

प्रशंसकों ने दी श्रद्धांजलि

मधु मल्होत्रा के निधन से फिल्म इंडस्ट्री ने एक अनुभवी कलाकार को खो दिया है। सोशल मीडिया पर कई कलाकारों और प्रशंसकों ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। उनके द्वारा निभाए गए किरदार और फिल्मी सफर को आज भी याद किया जाता है, जो सिनेमा प्रेमियों के दिलों में हमेशा जिंदा रहेगा।

एलपीजी संकट से रुकेगा आईपीएल 2026 ? बढ़ेगी चुनौती! आखिरकार बीसीसीआई ने तोड़ी चुप्पी

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान और इजरायल के बीच जारी संघर्ष ने दुनिया भर की चिंताओं को बढ़ा दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से भारत को होने वाली एलपीजी (LPG) आपूर्ति पर सवाल उठने लगे हैं। चूंकि आईपीएल 2026 का आगाज करीब है, इसलिए खेल जगत में यह चर्चा तेज है कि क्या यह वैश्विक संकट भारत के सबसे बड़े क्रिकेट लीग में बाधा बनेगा।

आईपीएल को लेकर बीसीसीआई ने तोड़ी चुप्पी (IPL 2026, LPG crisis)

बीसीसीआई (BCCI) और आईपीएल गवर्निंग काउंसिल फिलहाल इस स्थिति पर पैनी नजर बनाए हुए हैं। इंडिया टुडे की एक रिपोर्ट के अनुसार बोर्ड ने अभी कोई भी जल्दबाजी भरा फैसला नहीं लिया है। एक आधिकारिक सूत्र ने स्पष्ट किया कि हम स्थिति का पहले से अनुमान नहीं लगा सकते। हमें वेट एंड वॉच की नीति अपनानी होगी। वर्तमान में बोर्ड को स्थानीय लॉजिस्टिक्स पार्टनर्स और होटलों से जो फीडबैक मिल रहा है, वह संतोषजनक है और आयोजन को लेकर कोई तत्काल खतरा नहीं दिख रहा है।

हालांकि एलपीजी आपूर्ति को लेकर अभी स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है, लेकिन असली चुनौती विदेशी खिलाड़ियों की यात्रा को लेकर हो सकती है। टी20 वर्ल्ड कप 2026 के बाद भी ज़िम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज जैसी टीमों को हवाई मार्ग बाधित होने के कारण दिक्कतों का सामना करना पड़ा था। दुबई अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का एक प्रमुख हब है, वहां से कई रूट प्रभावित होने के कारण विदेशी खिलाड़ियों, कोचों और ब्रॉडकास्टर्स को वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ सकता है।

खिलाड़ियों को लेकर बैकअप योजनाएं हैं तैयार

यदि तनाव बढ़ता है तो इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों के लिए चार्टर विमानों या नए यात्रा मार्गों का प्रबंध करना पड़ सकता है। आयोजकों ने साफ किया है कि भले ही अभी सब कुछ सामान्य दिख रहा हो, लेकिन पर्दे के पीछे बैकअप योजनाएं तैयार हैं। यदि सप्लाई चेन या अंतरराष्ट्रीय यात्रा में अधिक व्यवधान आता है, तो बीसीसीआई आवश्यक रणनीतिक कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। बोर्ड का मानना है कि आईपीएल जैसे विशाल आयोजन के लिए हर संभावित स्थिति के लिए तैयार रहना खेल का ही एक हिस्सा है।

आईसीसी के हंटर से सलमान अली की निकली हेकड़ी, विवादित रन आउट के बाद सुनाई कड़ी सजा

(जीएनएस)। पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच चल रहे दूसरे वनडे मैच में एक ऐसा वाकया हुआ जिसने खेल की मयार्दा पर नई बहस छेड़ दी है। पाकिस्तानी बल्लेबाज सलमान अली आगा जिस तरह से आउट हुए, उसने न केवल मैदान का माहौल गरमा दिया बल्कि सोशल मीडिया पर भी फैंस के बीच जंग शुरू कर दी है।

मैच के 39वें ओवर में जब सलमान अली आगा क्रीज पर थे, तब एक अजीबोगरीब स्थिति बनी। गेंद सीधे गेंदबाज मेंहदी हसन मिराज के पास गई। उस वक्त सलमान अपनी क्रीज से थोड़े बाहर थे। उन्होंने सिर्फ एक अच्छी भावना दिखाते हुए गेंदबाज की मदद करने के लिए गेंद उठाई और मिराज की तरफ बढ़ानी चाही। लेकिन मिराज ने खेल भावना दिखाने के बजाय इस मौके का फायदा उठाया और तुरंत गिल्लियां बिखेर कर रन-आउट की अपील कर दी।

मैदान पर भड़का गुस्सा और अंपायर का फैसला

नियमों के मुताबिक अंपायर ने सलमान को आउट दे दिया, लेकिन इस फैसले ने सलमान को पूरी तरह से हिला कर रख दिया। पवेलियन लौटते समय उनका गुस्सा साफ दिख रहा था। उन्होंने झल्लाहट में अपना हेलमेट और ग्लव्स जमीन पर दे मारे। सलमान का यह व्यवहार कउउ के नियमों के खिलाफ था, इसलिए उन पर कड़ी कार्रवाई की गई।

कउउ ने सुना दी सजा

कउउ ने सलमान अली आगा को मैदान पर गलत बर्ताव करने का दोषी माना और उन्हें आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई। साथ ही उनके रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ दिया गया है। इस पूरी घटना पर पूर्व दिग्गज क्रिकेटर रमीज राजा ने बांग्लादेशी टीम की जमकर क्लास लगाई। उन्होंने साफ कहा कि अगर खिलाड़ी एक-दूसरे की मदद करने के बदले ऐसे आउट करेंगे, तो खेल से आपसी सम्मान खत्म हो जाएगा।

भले ही पाकिस्तान ने यह मैच अपने नाम कर लिया हो, लेकिन मेंहदी हसन मिराज के उस एक फैसले ने बांग्लादेशी टीम की साख पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब चर्चा इस बात पर है कि क्या जीत के लिए खेल की गरिमा को दांव पर लगाना सही है?

एथर एनर्जी लिमिटेड के रिज्टा और 450 सीरीज के ई-स्कूटर मार्च, 2026 में शानदार ऑफर के साथ मिल रहे हैं

एथर स्कूटर खरीदने का यह सबसे अच्छा समय है क्योंकि 31 मार्च के बाद 5,000 रुपये की पी.एम ई-ड्राईव सब्सिडी बंद कर दी जाएगी

लखनऊ, 14 मार्च, 2026: भारत के प्रमुख इलेक्ट्रिक स्कूटर निमार्ताओं में से एक, एथर एनर्जी लिमिटेड के रिज्टा और 450 सीरीज के इलेक्ट्रिक स्कूटरों पर सीमित समय के लिए 20,000 रुपये तक के बेनेफिट्स मिल रहे हैं।

इस ऑफर के अंतर्गत ग्राहकों को 20,000 रुपये तक के बेनेफिट दिए जा रहे हैं, जिनमें 10,000 रुपये का क्रेडिट कार्ड डिस्काउंट, 6,500 रुपये का कैश डिस्काउंट और 3,500 रुपये की एक्सटेंडेड कंपोनेंट्स वॉरंटी शामिल है। ये ऑफर 31 मार्च, 2026 तक भारत में एथर के सभी एक्सपीरियंस सेंटर्स पर उपलब्ध रहेंगे।

इस ऑफर के अंतर्गत लखनऊ में 31 मार्च, 2026 तक रिज्टा एस का एक्स-शोरूम मूल्य 1,07,449 रुपये और 450एस का एक्स-शोरूम मूल्य 1,15,841 रुपये रहेगा। इस अभियान का उद्देश्य एथर के इलेक्ट्रिक स्कूटरों और उनके कनेक्टेड टेक्नोलॉजी ईकोसिस्टम की उपलब्धता बढ़ाते हुए ग्राहकों को ज्यादा लाभ पहुँचाना है।

ग्राहकों को कंपनी के ये ऑफर केवल इसी माह उपलब्ध होंगे। साथ ही, वो पीएम ई-ड्राईव स्कीम के अंतर्गत 5,000 रुपये की सब्सिडी भी प्राप्त कर सकेंगे, जो केवल 31 मार्च तक लागू रहेगी।

ऑफरों के बारे में अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी एथर एक्सपीरियंस सेंटर पर विजिट करें या एथर एनर्जी की आधिकारिक वेबसाईट देखें।

दो दिवसीय इंडिया एंटीरियर हिप फाउंडेशन कोर्स -2026 शुरू

ऑर्थोपेडिक सर्जनों ने सीखी हिप सर्जरी के लिए आधुनिक सर्जिकल तकनीक

लखनऊ, 14 मार्च 2026। जॉइंट केयर फाउंडेशन के तत्वाधान में आज से हयात रीजेंसी, लखनऊ में हिप सर्जरी के लिए दो दिवसीय इंडिया एंटीरियर हिप फाउंडेशन कोर्स- 2026 शुरू हुआ।

इंडिया एंटीरियर हिप फाउंडेशन कोर्स के समन्वयक और मशहूर रोबोटिक जॉइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. सौरव शुक्ला ने पाठ्यक्रम के शुभारंभ पर एक पत्रकार वार्ता में बताया कि

इंडिया एंटीरियर हिप फाउंडेशन कोर्स 2026 का उद्देश्य ऑर्थोपेडिक सर्जरी के क्षेत्र में लेटेस्ट सर्जिकल टेक्नीक, हैंड्स-ऑन प्रैक्टिकल ट्रेनिंग और एकेडमिक एक्सीलेंस को बढ़ावा देना है।

डॉ. सौरव शुक्ला ने कहा कि दो दिन के ट्रेनिंग प्रोग्राम में मॉडर्न सर्जिकल टेक्नोलॉजी पर चर्चा होगी। उन्होंने आगे बताया कि जॉइंट केयर फाउंडेशन ने इस प्रोग्राम के दौरान इंडिया एंटीरियर हिप फाउंडेशन कोर्स फेलोशिप देने का फैसला किया है। भारत और विदेश के 80 से ज्यादा ऑर्थोपेडिक सर्जन इस कोर्स में हिस्सा ले रहें हैं और उन्हें जाने-माने नेशनल और इंटरनेशनल एक्सपर्ट्स से सीखने का मौका मिलेगा। उन्होने बताया कि इस पाठयक्रम में जाने-माने फैकल्टी कंट्रीब्यूटर के तौर पर सुनील दाश, बेल्जियम से डॉ. फ्रांज जे. वंदेपुट्टे, दिल्ली से प्रो. राजेश मल्होत्रा, पुणे से डॉ. महेश कुलकर्णी, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान संस्थान दिल्ली से डॉ. विजय कुमार, अहमदाबाद से डॉ. कार्तिक पटेल, हैदराबाद से डॉ. कृष्ण किरण, और बेंगलुरु से डॉ. नारायण हुल्से, 20 राज्यों से डेलीगेट्स शामिल हैं। अमेरिका से डॉ. अनय पटेल और इजरायल से डॉक्टर नवीन गरेब ने वर्चुअल भाग लिया।

पाठ्यक्रम के बारे में बात करते हुए डॉ. सौरव शुक्ला ने कहा कि यह कोर्स हिप सर्जरी के लिए एक हाई-लेवल स्किल डेवलपमेंट प्लेटफॉर्म देगा। उन्होंने यह भी भरोसा जताया कि इंडिया एंटीरियर हिप फाउंडेशन पूरे भारत में हिप सर्जरी को आगे बढ़ाने के लिए एक मजबूत एकेडमिक प्लेटफॉर्म की शुरूआत कर रहा है।

उन्होंने बताया कि यह कोर्स हिप सर्जरी के लिए एक हाई लेवल रिस्क डेवलपमेंट प्लेटफार्म देगा। उन्होंने कहा आज रोबोटिक सर्जरी से एक्यूरेसी सटीक होती है इसमें बगैर खून निकले बिना ज्यादा काटपीट के आसान सर्जरी हो जाती है।

यूएस-इजराइल वार : क्या ईरान के हमलों से घबरा गए ट्रम्प? दुनिया के 4 सबसे ताकतवर देशों से मांगी मदद

(जीएनएस)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के प्रमुख देशों से एक अहम अपील की है। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद महत्वपूर्ण को हर हाल में खुला और सुरक्षित रखा जाना चाहिए। ट्रंप के मुताबिक, इस जलमार्ग की सुरक्षा के लिए अमेरिका सहित अन्य देश भी युद्धपोत तैनात कर सकते हैं ताकि अंतरराष्ट्रीय शिपिंग बाधित न हो।

दुनिया के 4 बड़े देशों को ट्रंप ने भेजा ये मैसेज

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट करते हुए उम्मीद जताई कि China, France, Japan, South Korea और United Kingdom

जैसे देश इस अहम समुद्री मार्ग की सुरक्षा के लिए अपने युद्धपोत भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि समुद्री व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति के लिहाज से यह जलमार्ग इन देशों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। ट्रंप ने दी चेतावनी, अपने संदेश में डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका ने Iran की सैन्य क्षमता का "100 प्रतिशत सफाया" कर दिया है। हालांकि उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि भारी नुकसान के बावजूद ईरान छोटे स्तर के हमले कर सकता है, जिससे इस अहम समुद्री मार्ग से गुजरने वाले जहाजों के लिए खतरा पैदा हो सकता है। 'होर्मुज स्ट्रेट' बंद हुआ तो मचेगा वैश्विक संकट! डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार, ईरान अभी भी ड्रोन, समुद्री खदानों या कम दूरी की मिसाइलों जैसे हथियारों का इस्तेमाल कर जलडमरूमध्य के आसपास हमले की कोशिश कर

तबाही का लाइव सबूत! आधी रात को लेबनान की सीमा लांघकर घुसे इजरायली, हिजबुल्लाह के ठिकानों को किया ध्वस्त

(जीएनएस)। मिडिल ईस्ट में जारी महायुद्ध अब सबसे खतरनाक दौर में पहुंच गया है। इजरायली डिफेंस फोर्स (कळ्ळ्र) ने उन सैनिकों का बॉडी-कैम फुटेज जारी किया, जो दक्षिणी लेबनान और बेरुत में घुसकर हिजबुल्लाह के ठिकानों को तबाह कर रहे हैं। वीडियो में साफ दिख रहा है कि धमाकों के बाद इमारतें मलबे में तब्दील हो चुकी हैं और इजरायली सैनिक उन खंडहरों के बीच तलाशी अभियान चला रहे हैं।

इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने लेबनान सरकार को सीधे शब्दों में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर हिजबुल्लाह को निशस्त्र नहीं किया गया, तो पूरे लेबनान के इंफ्रास्ट्रक्चर (बुनियादी ढांचे) को निशाना बनाया जाएगा। काट्ज ने कड़े लहजे में कहा, 'यह तो बस शुरूआत है, लेबनान को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी।'

IDF का दावा है कि उनके जवान उत्तरी इजरायल की रक्षा के लिए लेबनान सीमा पर डटे हुए हैं और पिछले एक हफ्ते से लगातार रात के अंधेरे में सर्जिकल स्ट्राइक कर रहे हैं।

ईरान में 24 घंटे में 200 ठिकानों पर बमबारी

जंग केवल लेबनान तक सीमित नहीं है। इजरायली वायुसेना (IAF) ने पिछले 24 घंटों में पश्चिमी और मध्य ईरान में 200 से अधिक ठिकानों पर भीषण बमबारी की है। इस हमले में 100 से ज्यादा लड़ाकों के मारे जाने की खबर है और 'राडवान फोर्स' के 60 से ज्यादा कमांड सेंटरों को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है।

15 दिनों में 1500 मौतें

अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमलों को आज 15 दिन बीत चुके हैं। इन दो हफ्तों में मौत का आंकड़ा 1,500 के पार पहुंच गया है। सबसे ज्यादा आक्रोश ईरान के मिनाब शहर में हुए उस हमले को लेकर है, जहां एक लड़कियों के प्राइमरी स्कूल पर अमेरिकी मिसाइल गिरने से 170 मासूम बच्चों की जान चली गई थी। हिजबुल्लाह का कहना है कि वे ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई की हत्या और इन मासूमों की मौत का बदला लेने के लिए इजरायल पर रॉकेट दाग रहे हैं।

30 की उम्र में डेब्यू कर वर्ल्ड चैंपियन कप्तान! 5 साल पूरे होने पर सूर्या ने शेयर किया वीडियो, रो पड़ेंगे आप

(जीएनएस)। भारतीय क्रिकेट के मिस्टर 360 यानी सूर्यकुमार यादव के लिए आज का दिन बेहद खास है। आज से ठीक 5 साल पहले, 14 मार्च 2021 को सूर्या ने नीली जर्सी में अपना पहला कदम रखा था। इस खास मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल वीडियो शेयर किया है, जिसने करोड़ों फैंस की आंखों में आंसू ला दिए हैं।

सूर्यकुमार यादव ने अपनी भावनाएं व्यक्त करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया और एक पोस्ट लिखा जिसमें पांच साल पहले शुरू हुई क्रिकेटिंग जर्नी का जिक्र किया। हाल ही में सूर्या की कप्तानी में टी20 विश्व कप जीत से यह सफर और शानदार बन गया।

उन्होंने लिखा कि 5 साल पहले एक सपना हकीकत में बदल गया था। भारत की जर्सी पहनना एक ऐसा एहसास है, जिसे मैं आज भी पूरी तरह शब्दों में व्यक्त नहीं कर पाता। टीम

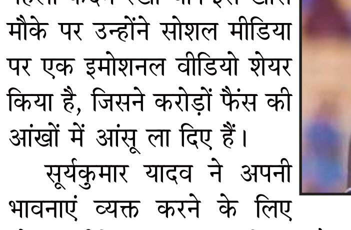

इंडिया के लिए आगे भी कई और यादगार लम्हे बनाने की उम्मीद है।

30 के बाद किया भारत के लिए डेब्यू

सूर्यकुमार यादव ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी शुरूआत थोड़ी देर से की, लेकिन यादगार अंदाज यादगार रहा। उन्होंने 2021 में कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ डऊक्र डेब्यू किया, जबकि टेस्ट में उनका पदार्पण 2023 में नागपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हुआ। 30 साल की उम्र के बाद सभी फॉर्मेट्स में डेब्यू करने वाले वह पहले भारतीय खिलाड़ी बने।

टी20 में मचा दिया धमाल

टेस्ट और डऊक्र में उन्हें कुछ खास सफलता नहीं मिली, लेकिन ळ20क में उनके खेल ने खेल की दिशा ही बदल दी। 35 साल की उम्र में भी उन्होंने अपने दमदार प्रदर्शन से साबित कर दिया कि उम्र सिर्फ एक संख्या है। इतना ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय सफर के केवल एक साल बाद ही उन्हें कउउ द्वारा 2022 का मेंस क्रिकेटर ऑफ द ईयर भी घोषित किया गया।

मध्यरात्रि में प्रशासन की बड़ी कार्रवाई: अवैध खनन पर एएसपी-खनन अधिकारी की छापेमारी, 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

(जीएनएस)।

पीलीभीत,प्रशासन ने अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई की है। देर रात न्यूरिया थाना क्षेत्र में जिला खनन अधिकारी और सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) ने संयुक्त छापेमारी की। इस दौरान अवैध रूप से मिट्टी का खनन कर रही तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर सीज कर दिया गया।

जिले में अवैध खनन की लगातार मिल रही शिकायतों को प्रशासन ने गंभीरता से लिया। खनन अधिकारी सुभाष सिंह को सूचना मिली थी कि न्यूरिया क्षेत्र में अवैध रूप से खुदाई की जा रही है। सूचना की पुष्टि के बाद उन्होंने पुलिस टीम से संपर्क किया।

अवैध खनन की गंभीरता को देखते हुए सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) नताशा गोयल भी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचीं। पुलिस और खनन विभाग की संयुक्त टीमों ने इलाके की घेराबंदी की। इस दौरान अवैध खनन का कार्य चल रहा था। टीम को देखते ही कई लोग वाहन छोड़कर भाग गए, लेकिन तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर लिया गया।

खनन अधिकारी सुभाष सिंह ने बताया कि जब्त किए गए तीनों वाहनों को संबंधित थाने को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि मौके की जांच की गई है और अब राजस्व टीम से पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। रिपोर्ट मिलने के बाद अवैध रूप से निकाली गई सामग्री के घनत्व के आधार पर भारी जुमार्ने की कार्रवाई की जाएगी।

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जिले में अवैध खनन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। खनन अधिकारी ने चेतावनी दी कि जो भी व्यक्ति रात के अंधेरे का फायदा उठाकर प्राकृतिक संसाधनों का अवैध दोहन करेगा, उसके विरुद्ध न केवल जुमार्ना लगाया जाएगा, बल्कि कठोर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

सपा ने मनाई शिवदयाल चौरसिया की जयंती: उनके आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प

(जीएनएस)।

पीलीभीत। समाजवादी पार्टी ने पीलीभीत के नकटादाना स्थित केजीएन-2 कैंप कार्यालय में पूर्व राज्यसभा सांसद शिवदयाल चौरसिया की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई। शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

पार्टी की विचारधारा पर जोर

कार्यक्रम की अध्यक्षता सपा जिलाध्यक्ष जगदेव सिंह जग्गा ने की। उन्होंने कहा कि सपा गरीब, किसान, नौजवान व कमजोर वर्गों की ढाल बनी रहेगी। पार्टी की मूल विचारधारा समानता, भाईचारा व सर्वांगीण विकास है। जग्गा ने चौरसिया के सादगीपूर्ण राजनीतिक जीवन व जनसमस्याओं के लिए संघर्ष की सराहना की तथा

कार्यकताओं से उनके मूल्यों को गांव-घर तक पहुंचाने का आ'ान किया।

नेताओं ने बताया प्रेरणा स्रोत

जिला महासचिव नफीस अहमद अंसारी ने कहा कि चौरसिया जैसे नेताओं का जीवन वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणा है। जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र मिश्रा कट्टर ने उनके संघर्षों से समाजवादी आंदोलन को मिली नई धार का जिक्र किया।

कार्यक्रम का संचालन 129 विधानसभा पूरनपुर के संजय सिंह यादव ने किया। मुख्य रूप से सपा अधिवक्ता सभा जिलाध्यक्ष ज्योति प्रकाश शुक्ला, धनपति वर्मा, रमेश राजा, सतीश चंद्र वर्मा, भगवानदीन वर्मा, निशान अहमद, रामौतार वर्मा, ठाकुर मीता सिंह, मानवेंद्र सिंह यादव, रामस्वरूप पाल, चंद्रप्रकाश, जसपाल सिंह यादव, रानू पाण्डे व रामू सहित बड़ी संख्या में नेता व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

डीएम व एसपी ने उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा केंद्रों का किया निरीक्षण, पुलिसकर्मियों को दिए निर्देश

(जीएनएस)।

पीलीभीत, जिलाधिकारी महोदय एवं पुलिस अधीक्षक पीलीभीत महोदय ने आज उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की लिखित परीक्षा को शांतिपूर्ण, सकुशल एवं निष्पक्ष रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिले के विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान पीएम श्री ड्रमण्ड इंटर कॉलेज, सिद्दीकी नेशनल इंटर कॉलेज, राजकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, रामा इंटर कॉलेज पीलीभीत तथा उपाधि महाविद्यालय पीलीभीत जैसे केंद्रों का दौरा किया गया। अधिकारियों ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस बल की जांच की तथा उन्हें परीक्षा प्रक्रिया को बिना किसी व्यवधान के चलाने के निर्देश दिए।इसके अलावा सुरक्षा व्यवस्था, प्रवेश-निकास की सुविधा एवं अन्य आवश्यक इंतजामों का भी जायजा लिया गया। परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से चल रही है।

पीलीभीत में गैस बुकिंग ठप, सर्वर फेल से ग्राहक परेशान

(जीएनएस)।

पीलीभीत,रसोई गैस की ऑनलाइन बुकिंग में तकनीकी खराबी और ओटीपी (डळढ) न आने के कारण उपभोक्ताओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जिले भर की गैस एजेंसियों पर लंबी कतारें देखी जा रही हैं, जिससे प्रशासनिक दावों के विपरीत धरातल पर किल्लत की स्थिति बनी हुई है।

जहानाबाद और बीसलपुर की गैस एजेंसियों पर सुबह से ही उपभोक्ताओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। घंटों लाइन में लगने के बाद भी सैकड़ों लोगों को खाली हाथ लौटना पड़ा। शहर से लेकर जहानाबाद, बीसलपुर और पूरनपुर तक यही स्थिति बनी हुई है।

उपभोक्ताओं की मुख्य शिकायत है कि बुकिंग के लिए अनिवार्य ओटीपी उनके मोबाइल पर नहीं आ रहा है। बीसलपुर निवासी अजय वर्मा ने बताया कि उन्होंने तीन दिन पहले सिलिंडर बुक किया था, लेकिन ओटीपी न मिलने के कारण एजेंसी उन्हें रिफिल देने से मना कर रही है।

क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी मनोज शर्मा ने स्वीकार किया कि नेटवर्क की समस्या मुख्य सर्वर से जुड़ी है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि तकनीकी खामी जल्द दूर हो जाएगी, जिसके बाद वितरण प्रक्रिया सामान्य हो सकेगी।

जिला पूर्ति अधिकारी विकास कुमार ने गैस की कमी की खबरों को 'अफवाह' बताया है। उन्होंने कहा कि जिले में स्टॉक की कोई कमी नहीं है। पारदर्शिता के लिए ओटीपी अनिवार्य है और 25 दिनों के अंतराल के बाद ही दूसरी बुकिंग मान्य होगी।

मामले की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस लाइन में एएसपी विक्रम दहिया ने गैस एजेंसी संचालकों के साथ बैठक की। एएसपी ने सख्त निर्देश दिए कि गैस किल्लत को लेकर अफवाह फैलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी। जिले में कुल 39 गैस एजेंसियां संचालित हैं, जिनमें से 6 से अधिक शहर में हैं। यहां 4.68 लाख घरेलू गैस उपभोक्ता और 678 कमर्शियल उपभोक्ता हैं।

रूस अब क्यों नहीं दे रहा भारत को तेल पर छूट? पुतिन भी खेल गए

(जीएनएस)।

पिछले चार सालों में India और Russia के बीच तेल व्यापार में जबरदस्त बदलाव आया है। 2022 में Russia-Ukraine War शुरू होने के बाद रूस एक छोटे सप्लायर से भारत तेल का बड़ा साझेदार बन गया। आज भी रूसी कच्चा तेल भारत की तेल जरूरतों का अहम हिस्सा है, लेकिन इसकी कीमत और सप्लाई पर अमेरिकी सेंक्शन, जियो पॉलिटिकल टेंशन और मिडिल ईस्ट में चल रहे अमेरिका-इजरायल बनाम ईरान के युद्ध का असर लगातार पड़ रहा है।

2022 से पहले भारत के कुल तेल इम्पोर्ट में रूस की हिस्सेदारी 2% से भी कम थी।

लेकिन फरवरी 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने रूस पर कई आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए। इसके बाद मॉस्को को एशियाई देशों को भारी छूट देकर तेल बेचना पड़ा। भारत ने इस मौके का फायदा उठाया और कुछ ही महीनों में रूसी तेल देश का सबसे बड़ा खरीददार बन गया।

भारत के रूसी तेल इम्पोर्ट में 2022 से 2025 के बीच तेज वृद्धि हुई। 2022 के अंत तक भारत लगभग 900,000 बैरल प्रति दिन रूसी तेल इम्पोर्ट करने लगा। 2023 में यह खरीद और बढ़ी और कुछ समय के लिए भारत 2 मिलियन बैरल प्रति दिन से ज्यादा समुद्री तेल खरीदने वाला दुनिया का सबसे बड़ा खरीदार बन गया।

2024: रूस बना सबसे बड़ा सप्लायर

2024 में रूस ने भारत के कुल कच्चे तेल इम्पोर्ट का लगभग 35% हिस्सा सप्लाई किया। इससे मिडिल ईस्ट के कई पारंपरिक सप्लायर (ईरान, सऊदी और यूएई आदि) पीछे छूट गए। 2025 में भी यह ट्रेंड जारी रहा और भारत ने औसतन 1.9 मिलियन बैरल प्रति दिन रूसी तेल इम्पोर्ट किया। यह रूस के समुद्री तेल एक्सपोर्ट का लगभग 40% था।

पीडब्ल्यूडी की लापरवाही उजागर: हाथ से उखड़ी महंगी सड़क

(जीएनएस)।

पीलीभीत,लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा बनाई जा रही एक नई सड़क की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल उठे हैं। पूरनपुर तहसील के शेरपुर मकरंदपुर गांव में ग्रामीणों ने सड़क की घटिया सामग्री को अपने हाथों से उखाड़कर विरोध प्रदर्शन किया, जिसके बाद निर्माण कार्य रोक दिया गया। यह मामला शेरपुर मकरंदपुर से चंदुइया कॉलोनी को जोड़ने वाली सड़क का है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ठेकेदार निर्माण में निम्न गुणवत्ता वाली सामग्री का उपयोग कर रहा था। संदेह होने पर, स्थानीय लोगों ने सड़क की ऊपरी परत को खींचकर देखा, जो आसानी से उखड़ गई। डामर की पतली परत के नीचे बजरी

के बजाय केवल मिट्टी पाई गई।

सड़क की खराब स्थिति देखकर बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। उन्होंने ठेकेदार और कर्मचारियों से निर्माण गुणवत्ता सुधारने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि उनकी बात नहीं सुनी गई, जिसके बाद उन्होंने हंगामा किया और काम रुकवा दिया।

ग्रामीणों ने पीडब्ल्यूडी के एक्सईएन और जेई पर लापरवाही और ठेकेदार के साथ मिलीभगत का आरोप लगाया। उनका कहना था कि अधिकारियों के संरक्षण के बिना इतनी घटिया गुणवत्ता का काम संभव नहीं है। इस मामले को लेकर गांव में एक बैठक आयोजित की गई है।

जिसमें उच्चाधिकारियों और शासन से भ्रष्टाचार की शिकायत करने का निर्णय लिया गया है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जांच नहीं हुई तो वे आंदोलन करेंगे। गौरतलब है कि पीलीभीत जिले में सड़क की गुणवत्ता को लेकर ऐसे मामले पहले भी सामने आ चुके हैं।

लेखपालों का कार्य बहिष्कार शुरू: पीलीभीत के पूरनपुर में धरना, मांगें पूरी न होने पर अनिश्चितकालीन आंदोलन

(जीएनएस)।

पीलीभीत,पूरनपुर,लेखपाल संघ की तहसील उपशाखा पूरनपुर के आ'ान पर शनिवार को लेखपालों ने कार्य बहिष्कार कर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। यह कदम लंबित समस्याओं का समाधान न होने और महत्वपूर्ण बैठकों का कार्यवृत्त (मिनट्स ऑफ मीटिंग) जारी न किए जाने के विरोध में उठाया गया है। सुबह 10:30 बजे से शुरू हुए इस प्रदर्शन के कारण तहसील परिसर में आय, जाति, मूल निवास प्रमाण पत्र और भूलेख संबंधी सभी कार्य ठप पड़ गए हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

धरना प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे लेखपाल संघ के तहसील अध्यक्ष शिशुपाल सिंह और तहसील मंत्री आकांक्षा राजपूत ने प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं।

पदाधिकारियों ने बताया कि लेखपालों की विभिन्न समस्याओं को लेकर 8 अक्टूबर 2025 को जिलाधिकारी पीलीभीत को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया था।

इसके बाद प्रशासन की पहल पर 26 दिसंबर 2025 को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में एक बैठक भी आयोजित की गई थी। हालांकि, बैठक के बाद जिलाधिकारी कार्यालय के भूलेख अनुभाग से 1 जनवरी 2026 को पत्र तो जारी हुआ, लेकिन उस बैठक का आधिकारिक 'कार्यवृत्त' आज तक जारी नहीं किया गया है।

लेखपाल संघ का आरोप है कि करीब पांच माह बीत जाने के बावजूद कार्यवृत्त न मिलने से यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा है कि प्रशासन ने किन मांगों को स्वीकार किया है और किन पर कार्रवाई की जानी है। पदाधिकारियों ने कहा कि उन्होंने कई बार जिला स्तरीय अधिकारियों से व्यक्तिगत रूप से मिलकर कार्यवृत्त जारी करने का अनुरोध किया, लेकिन हर बार केवल खोखला आश्वासन ही मिला। संघ ने यह भी आरोप लगाया कि शासन के स्पष्ट निदेर्शों के बावजूद जनपद में लेखपालों के साथ नियमित बैठकें नहीं की जा रही हैं, जिससे निदेर्शों की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं।

कार्य बहिष्कार से तहसील में मचा हड़कंप

शनिवार सुबह जैसे ही सभी लेखपालों ने बस्तों को बंद कर धरना शुरू किया, तहसील प्रशासन में हड़कंप मच गया। लेखपालों का साफ कहना है कि जब तक उनकी जायज मांगों पर लिखित कार्यवृत्त जारी नहीं होता और समस्याओं का ठोस समाधान नहीं निकलता, तब तक उनका आंदोलन और कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

बदायूं हत्याकांड: डीएम-एसपी ने पीलीभीत में परिजनों को दिया न्याय व मदद का भरोसा

(जीएनएस)।

पीलीभीत,हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉपोरेशन लिमिटेड (लढउछ) के डिप्टी मैनेजर हर्षित मिश्रा की बदायूं में हुई हत्या के बाद शनिवार को जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव मिश्रा उनके पूरनपुर स्थित आवास पर पहुंचे

अधिकारियों ने शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की और घटना के संबंध में जानकारी ली।

जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने हर्षित के पिता सुशील मिश्रा और परिवार के अन्य सदस्यों से बातचीत की। इस दौरान सुशील मिश्रा ने अधिकारियों को हर्षित के करियर, उसकी मेहनत और बदायूं में हुई वारदात के बारे में बताया।

अधिकारियों ने परिवार को आश्वासन दिया कि प्रशासन इस मुश्किल समय में उनके साथ है। मिश्रा और परिवार के अन्य सदस्यों से बातचीत की। इस दौरान सुशील मिश्रा ने अधिकारियों को हर्षित के करियर, उसकी मेहनत और बदायूं में हुई वारदात के बारे में बताया। अधिकारियों ने परिवार को आश्वासन दिया कि प्रशासन इस मुश्किल समय में उनके साथ है।

जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि एक होनहार अधिकारी का निधन समाज और जिले के लिए क्षति है। उन्होंने परिजनों को शासन की ओर से हर संभव सरकारी मदद दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने यह भी कहा कि यदि परिवार को किसी भी प्रकार की सुरक्षा या अन्य प्रशासनिक सहायता की आवश्यकता होगी, तो उसे प्राथमिकता पर पूरा किया जाएगा।

पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव मिश्रा ने परिजनों को आश्वस्त किया कि वे बदायूं पुलिस के संपर्क में हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस की विभिन्न टीमें मामले की जांच कर रही हैं और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। एसपी ने परिवार से घटना से संबंधित कोई भी जानकारी साझा करने की अपील की, ताकि जांच को सही दिशा मिल सके।

हर्षित मिश्रा को एक मिलनसार और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी के रूप में जाना जाता था। उनकी मौत से परिवार के साथ-साथ सहकर्मियों और स्थानीय निवासियों में भी रोष है।

बेहटी में प्रधान नितिन वर्मा-सचिव प्रियांशु द्विवेदी की मिलीभगत के चलते जमकर करा जा रहा है भ्रष्टाचार

5 साल में ग्राम निधि का 'बंदरबांट',प्राथमिक विद्यालय बेहटी में दिव्यांग शौचालय का पेमेंट निकल गया पूरा दिव्यांग शौचालय पड़ा अधूरा

(जीएनएस)।

पीलीभीत। विकासखंड बिलसंडा के ग्राम बेहटी में ग्राम प्रधान नितिन वर्मा और सचिव प्रियांशु द्विवेदी पर गंभीर आरोप लगे हैं। ग्रामीणों का दावा है कि पांच साल की पंचवर्षीय अवधि में गांव में विकास के नाम पर कोई ठोस काम नहीं हुआ, बल्कि ग्राम निधि में लाखों रुपए का भ्रष्टाचार कर ग्राम निधि का का जमकर दुरुपयोग किया गया है दोनों ने मिलीभगत से फंड का 'बंदरबांट' कर

लिया, जिससे गांव की बुनियादी सुविधाएं अधर में लटक गईं।ग्रामीणों के अनुसार, प्राथमिक विद्यालय में दिव्यांग शौचालय का पेमेंट पूरा निकाल लिया गया और बैंक शौचालय अभी तक अधूरा पड़ा हुआ है वहीं दूसरी तरफ कागजों में दिव्यांग शौचालय को पूरा दिखा दिया है लीपा-पोती' करके रिपोर्ट तैयार की गई और विकास के नाम पर धांधली की गई। एक ग्रामीण ने बताया, "प्रधान-सचिव की जोड़ी ने ग्राम निधि में जमकर भ्रष्टाचार किया है। गांव में आज भी पानी, सड़क जैसी बेसिक सुविधाओं की कमी है फिलहाल जब पंचायत सचिव प्रियांशु द्विवेदी से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली यह मामला ग्रामीण विकास में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करता है।